वर दे वीणा वादिनी कविता का भावार्थ लिखें।

निराला

वर दे! वीणा वादिनी वर दे। छायावादी महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की प्रतिनिधि रचनाओं में से एक है।
प्रस्तुत कविता 'वर दे वीणा वादिनी' में मां सरस्वती से वंदना की गई है। उसे अज्ञान के अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले चलने की प्रार्थना की गई है। हे मां सरस्वती! हमें वरदान दीजिए। हम सब में ज्ञान रूपी अमृत मंत्र भर दीजिए तथा विश्व को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित कर दीजिए।
यह कविता एक प्रार्थना है तथा राष्ट्रीय जागरण भाव-प्रधान कविता है। कवि माँ सरस्वती से वरदान की आकांक्षा करता है जिससे भारतवर्ष में प्रेम और स्वतंत्रता का अमरत्व प्राप्त हो। मां सरस्वती अपने धवल प्रकाश से अज्ञान के अंधकार को नष्ट कर दें। विश्व में फैले अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान रूपी प्रकाश से जगमगा दें। समाज में अभेद दर्शन एवं भावनात्मक एकता के स्वर गुंजित होकर नये ताल, नये स्वर तथा नये लय का सृजन हो।
हमें अनन्त आकाश में विचरण करने का सामर्थ्य प्राप्त हो सके। मानव समाज में व्याप्त विषमता एवं अनेकता का भेदभाव समाप्त हो जाय। यह कविता राष्ट्रीय जन-जागरण सम्बन्धी गीतों में से विशिष्ट स्थान ग्रहण करती है।
प्रस्तुत कविता का ओजस्वी और प्रेरणादायक स्वर सुषुप्त राष्ट्रीय जन जीवन में शक्ति, ओज और उमंग का सृजन करता है। मां सरस्वती की वन्दना और राष्ट्र जागरण के भाव इस गीत के विशिष्ट गुण हैं।

गृहकार्य (H.W) (क) अभ्यास में दिये गये कठिन शब्दों को याद कर लिखने का अभ्यास करें।
(ख) पुस्तक के आधार पर लघु उत्तरीय प्रश्न तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लिखें।
(ग) सुमेलित कीजिए
(घ) व्याकरण एवं भाषा कौशल का अभ्यास कीजिए।

अध्याय 2

परोपकार

मुख्य बिंदु - परोपकार को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। लाला सदानंद के माध्यम से लेखक ने परोपकार की महत्ता दर्शाया है। परोपकारी व्यक्ति महामानव होता है।

अवतरण (1)

दिये गये अवतरणों के आधार पर उत्तर अपने शब्दों में दें।

अवतरण "इसी तरह कई साल बीत गये, शादी राम ने पैसे-पैसे बचाकर अस्सी रुपये जोड़ लिए। उन्हें लाला सदानन्द के पाँच सौ रुपये देने थे। उनका लड़का लगातार चार महीने बीमार रहा। बचाये हुए रुपये दवा में उड़ गये, पं० शादी राम ने सिर पीट लिया।"

(1) प्रस्तुत अंश पाठ से लिया गया है? लेखक का परिचय दें?
(2) पंडित शादी राम किसको रुपया अदा करना चाहते थे?
(3) पंडित शादी राम का चरित्र चित्रण करें?
(4) पंडित शादी राम का लड़का कितने महीने बीमार रहा?

अवतरण 2

लाला सदानन्द बीमार थे। पंडित शादी राम उनके लिए दिन रात माला फेरा करते थे। एक दिन लाला सदानंद चारपाई पर लेटे थे। पास पड़ी चौकी पर पंडित शादी राम बैठे, रोगी को भगवद्गीता सुना रहे थे।

(1) कौन बीमार थे? शादी राम किसको भगवद् गीता सुना रहे थे?
(2) सदानंद के बीमार पड़ने पर शादी राम ने क्या किया?
(3) लाला सदानंद कहाँ और क्यों लेटे थे?
(4) लाला सदानंद किस प्रकार के व्यक्ति थे?

गृहकार्य (H.W) → शब्दार्थ, पठन एवं लेखन कौशल का अभ्यास करें।
व्याकरण एवं भाषा कौशल का अभ्यास करें।

परोपकार के महत्व पर 10 वाक्य लिखिए।

Scanned with CamScanner